



Saathi - IIT Bombay

IIT Bombay's LGBTQ Resource Group

Join us at: <http://groups.google.com/group/saathi-iitb>

www.facebook.com/saathi.iitb

Email us at : saathi.iitbombay@gmail.com

With the onset of puberty, one naturally develops attraction that is both romantic and sexual. Many of us boys and girls end up falling in love with that girl or boy in our tuition/building/school/neighborhood. Some, however, fall in love with a person of the same sex.

Same-sex love is not uncommon at all. It has been found in about 150 species and has been reported in mythological stories across different civilizations, including Indian civilization. People beyond heterosexuals (i.e. people who are attracted to people of opposite gender) are grouped together as lesbian (women attracted to women), gay (men attracted to men), bisexual (people attracted to both genders, maybe not equally), transgender (people who identify with opposite gender than that assigned at birth) and queer (every intermediate form of sexuality), collectively called as LGBTQ. LGBTQ people may face discrimination and bullying in different spheres leading them to wonder if they are really alone in the world. The fact remains that they aren't alone.

Saathi (Translates to "Companion" in English) at IIT Bombay is a LGBTQ resource group. We take pride in the fact that our events are attended by LGBTQ as well as heterosexual people with equal enthusiasm. We invite you to be a part of Saathi, irrespective of your orientation. You don't have to be an animal to stand for animal rights, similarly you don't have to be gay to stand for gay rights. Feel free to get in touch with us with due anonymity on +91-7506643050 or +91-9819228636. You ought to join our google group at the above given links or just email us. And if you are an LGBTQ individual looking for a safe space, remember, you aren't alone. Saathi is your companion on campus.

पुरुष और स्त्री का आपस में प्रेम होना जिस तरह स्वाभाविक है, वैसे ही प्रेम के अनेक स्वाभाविक रंग हैं। पुरुष से आकर्षित होनेवाले पुरुष (गे), स्त्री से आकर्षित होनेवाली स्त्री (लेस्बियन), दोनों लिंगों से आकर्षित होनेवाले व्यक्ति (बायसेक्षुअल) और शारीरिक लिंग से भिन्न लिंग में पहचान पानेवाले (ट्रानसजेंडर) भी (इन्हें साथ में LGBTQ कहा जाता है) उतने ही स्वाभाविक हैं। हर संस्कृति में, भिन्न प्रजातियों में और अनेक कालखंडों में इसके उदाहरण देखने को मिलते हैं। परंतु, जब एक इंसान में उम्र के १५-१६ साल के आस पास ऐसी भावनाएं जागृत होती हैं, तब उसे अकेलापन एवं विरोधाभास महसूस होता है। चिढ़ाए जाना, खुद को गलत समझना, ऐसी अनेक समस्याओं से उसे जूझना पड़ता है।

दो व्यक्तियों को अगर एक दूसरे से प्यार हो, तो वह बस प्यार ही होता है है ना?!

IIT Bombay में साथी नामक एक संगठन है जो LGBTQ व्यक्तियों के गरिमा एवं स्वाभिमान पूर्ण जीवन के लिए यथोचित अधिकारों की वकालत करता है। हमारे संस्थान में एक संवेदनशील वातावरण बने यह साथी का परम उद्देश्य है। जन साधारण में जागरूकता बढ़े एवं LGBTQ सदस्य खुद को समझें एवं उनका आत्मविश्वास दृढ़ हो ऐसा साथी का लक्ष्य है। अच्छी बात तो यह है की साथी के सदस्य केवल LGBTQ ही नहीं, बल्कि विषमलैंगिक (heterosexual) भी हैं जो यह मानते हैं कि प्यार करने का, और सम्मान से जीने का अधिकार सभी को है।

में आपको साथी में आमंत्रित करता हूँ। ऊपर दिए गूगल ग्रुप ज्वाइन करें या फिर आप हमसे 9819228636 या 7506643050 पर संपर्क कर सकते हैं। saathi.iitbombay@gmail.com पे email भी लिख सकते हैं।

याद रखिए, अगर आपको लगता है कि आप LGBTQ हो, तो आप यहा अकेले नहीं हैं। साथी आपका साथी है!

साथी आइ आइ टी मुंबई

नमस्कार! माझे नाव आदित्य जोशी, मी आयआयटी मध्ये पीएचडी करत आहे. वयाच्या पंधराव्या वर्षी, मला लक्षात आले की मी म्लींकडे नाही, तर मुलांकडे आकर्षित होतो. मला प्रचंड भीती वाटली की काहीतरी गडबड आहे. जसे दिवस सरले, तसे मी लोकांना भेटलो, पुस्तके वाचली आणि मला लक्षात आले की इतरांसारखाच "नॉर्मल" आहे. माझ्यासारखे लोक अनेक शतकांपासून अनेक देशांमध्ये आहेत - आणि प्राण्यांच्या जवळजवळ १५० प्रजातींमध्ये सुद्धा! लेज्बीयन (स्त्रीयांकडे आकर्षित होणाऱ्या स्त्रीया), गे (पुरुषांकडे आकर्षित होणारे पुरुष), बायसेक्शुअल (दोन्ही लिंगांकडे आकर्षित होणारे लोक) आणि ट्रान्स्जेन्डर (शारीरिक लिंगाहून वेगळ्या लिंगाबाद्दल ओळख बाळगणारे), ज्यांना एलजीबीटी किंवा क्वीयर म्हण्टेले जाते, ते आपल्या समाजाचाच एक हिस्सा आहेत. आणि जोवर कसल्याही बळजबरीशिवाय असेल, तोवर प्रेम तर प्रेमच असते, नाही का?!

आयआयटी ला , मला अनेक लोकांकडून साथ मिळाली. खरे तर, इथे एक क्वीयर संघ आहे ज्याचे नाव आहे "साथी". समलैंगिक आणि उभयलैंगिक लोकांना जगायचा आणि प्रेम करायचा अधिकार आहे, असे हे लोक मानतात. साथी बदल महत्वाची गोष्ट अशी की LGBT बरोबरच आमचे भिन्नलैंगिक मित्र-मैत्रीणीही आहेत जे आमच्या पाठीशी उभे आहेत. स्वतःला समजून घेण्याच्या आमच्या प्रवासात तेही आमचे "साथी" आहेत!

तुम्ही LGBT असाल वा नसाल, मी तुम्हाला साथी मध्ये आमंत्रित करतो. प्राणी हक्कांबद्दल सहानुभूती दाखवायला प्राणी असावे लागत नाही, तसेच गे हक्कांबद्दल सहानुभूती दाखवायलाही गे असावे लागत नाही. माझ्याशी [+९१-९८९९२२६३३६](tel:+91-9899226336) वर किंवा आदित्य शंकर शी [+९१-७९०६६८३०९०](tel:+91-9906683090) वर संपर्क साधा. आणि लक्षात ठेवा, जर तुम्ही LGBT व्यक्ती असाल, तर इथे IIT Bombay मध्ये तुम्ही एकटे नाहीत. साथी तुमचा साथी आहे!

कामसूत्र पुढील का कर्मभूमि लो जन्मिन्दासु. स्त्री पुरुषुल मद्यु संगमांन्नि विवरीचिन अदे कामसूत्र लो इरुवुरु पुरुषुल मद्यु संगमांन्नि, इरुवुरु स्त्रील मद्यु संगमांन्नि विवरीचडं जरीगिन्दी. इरुवुरु पुरुषुलकु, अनगा हारीकी हारुडीकी जन्मिन्दिन अय्युप्पुनु भगवन्तुडीगा पूाजिन्दी समाजं इदि. कान्, इद्दरु पुरुषुल मद्यु कान्, इद्दरु स्त्रील मद्यु प्रेमनि कान् स्त्रीकरिन्दिने संकुचित्तेन समाजं इदि. लो क पालकुडैन नारयणुडु एन्ने मारु मोहिनिगा अन्ते स्त्री गा मारी सृष्टिनि संरक्षिन्दिचवच्चु, कान् इ समाजं लो पुरुषुडिगा जन्मिन्दि, स्त्री गा जीवन्चालन्ते हिंज्जु अन्, कोज्जु अन् अममानालकु चित्तरल्लु गुरिकावाल्सिन्दि खजुरवो, एल्लोरा मरियु एन्ने चित्तर कल्लु स्युलिन्ग संपर्यान्नि अडन्बरन्गा चूपिन्नायु. अ शिल्प चित्तर कल्लुनु चूपि म्मैमरिचिपोयु इ समाजं, पुरुषुडिगा ना प्रेमनु मरो पुरुषुडिपे व्यक्त्त पदिचे स्युच्युनु इव्वुदु.

अवुनु नेनु स्युलिन्गसंपर्युडनु, एलान्ते सिगु, संकोचं लेकुन्दा इ विषयांन्नि नेनु निर्युयन्गा चेप्पुगलनु, नाकु ना अस्तित्वं पे पूारु गर्युं वुन्दि. ना लोकिक्त्वं ना हकु कुंसं श्रमिन्दि इवन्ते साति लो भागन्गा वुन्दिदं हारुदायकं.

मीरु स्युलिन्गसंपर्युल्ले, इवन्ते बोंबायु लो विद्युनु अय्युसिन्नुन्नारा ? अयुत्ते मीरु एन्तेरी कानु, साति मी वेन्ते वुन्दि, निर्युयन् गा साति लो भाग्युस्युमलु कन्दी.

मीरु समासत्वं विलसिल्लु सय्यु समाजान्नि कोरुकुन्तुन्नारा ? लोकिक्त्वं अडारन्गा चेपि विवक्त्तु मीरु व्युतिरेकमा ? अयुत्ते रन्दि अन्दरीकी समास हकुलु वुन्दि समाजान्नि निर्युन्दिदानीकी इवन्ते साति लो चैरी मनवन्तु श्रम चेट्टां.

साति लो सय्युत्वं कोसं अदिक्त्तु शंकरु नि (B.Tech Elec) इ नेन्बर् पे +91-7506643050 काले चैयुन्दि.